61st Kerala State School Kalolsavam - Jan 03 To 07, 2023
Kozhikode

Item Code: 948 Participant Code: 111

जि़दगी ही नशा है

हमारी प्यारी सी जि़दगी

'जि़दगी' एक खुबसूरत पद, जिसके पीचे अनेक रहस्यों चुपी रही है। मैं आज एक सरल शब्द या प्रश्न से यह शुरु करना चाहता हैं। एक मनुष्य के ओर से क्या है जि़दगी?

हम सब यह जानते है कि इस ~~ढ~~ दुनिया मे या इस धरती हम मनुष्य के आलाव कई प्रकारों का जीव-जंतु भी होती है। लेकिन हम मानव लोगों का बोलना, सुनना, प्यार, घमंड, सुख, दुख आदि प्रकारों का भावों दिखाने का प्रभाव है। एक अक्षर में बताने है तो हम दूसरी जीव-जंतुओं से बिलकुल अलग है। ईश्वर हमे यह सब देने के बात भी हमारी घमंड हमे ~~न~~ नही चोडे। हम दिन-प्रतिदिन हमारी घमंड ~~बढ्ते~~ बढने का शुरु करने लगा। हम बुराई की दिशा मे चले शुरु किया।

इस बुराई की एक सबसे बडा उदाहरण है नशा का उपयोग। ड्रग्स नाम सुनकर हम आज डरते है। लेकिन कुछ वर्षों पहले ड्रग्स शब्द का उपयोग केवल अस्पताल

(Note: Graded Items may be published in Schoolwki. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

61st Kerala State School Kalolsavam - Jan 03 To 07, 2023
Kozhikode

Item Code: 948 Participant Code: 111

में ही सुनती है। हमारे दवाइयों बनाने में उपयोग करते हुए एक वस्तु। यह थी ड्रग्स। परंतु यह सब बदलने लगी। ड्रग्स शब्द का अर्थ भी बदलने लगा। मुझे इस बात को बताने का कोई जरूरत ही नहीं है। है ना? आज ड्रग्स एक विपत्ति ही, जो मनुष्य के जीवन को ओर से नष्ट करते है।

नशा और ड्रग्स का उपयोग के बारे में बताने है तो एक लंबा निबंध है में यह खत्म होती है। रिपॉर्ड के अनुसार 15 - 30 उम्र के युवजनों है में नशा ~~को~~ का उपयोग ज्यादा देखता है। जो लोग बुढा उम्र में इसका उपयोग करते है ~~जो~~ वो लोग अपनी बचपन में ही इसकी इस्तमाल शुरु किया। केरल के बात बताने है तो, पूरी देश में नशा का उपयोग ज्यादा करने का जगह है केरल। इनमें से सबसे पहले है त्रिशूर। 2015 के रिपॉर्ड के अनुसार नशा उपयोग करनेवालों का संख्या पहले वर्षों ~~से~~ से कम था। लेकिन जब कोरोना का आरंभ हुआ यह संख्या बढने लगे। 2020 र के रिपॉर्ड से हमें यह बता सकतीं हैं कि इन पदार्थों का उपयोग

(Note: Graded Items may be published in Schoolwki. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

बड़ी तरह से बढ़ाया है ।

मेरी अकला सवाल यह है कि क्यो ~~मनाव~~ मनाव इन
हानिकारक पदार्थों को इस्तमाल करते हैं ? एक कारण
जो एक मित्या है, यह हमारी पढ़ाई को मदद करता है
बेवकूफी । इसके आलाव मैं क्या कहूँ । आप को परीक्षा
मे अच्छी अंक चाहिए तो आप पढ़ना शुरू करो । या
आप सबको भूल जाते हैं तो कोशिश करते रहो, क्यो
इन पदार्थों का मदद आप लेते है? कुछ लोग अपने
कुटुंब में या अपनी किसी मनपसंद व्यक्ति करने के
कारण उसे देखकर वह भी शुरू करते है । आप के घर
मे अगर ऐसे कोई करते है तो ~~उसको यह छोड़ने~~
उससे यह छोटने को कहो और उसे मदद करो ।
अगर वो व्यक्ति आपकी किसी मित्र है तो पहले
उनसे बात करो, वो आपको नहीं सुनती है तो आप
उसके टीचर या घरवालों को भी बता सकते हैं ।
यह करने से आपको एक मित्र को नष्ट होती है तो
आप रोना ~~मत~~ मत आप एक सही कार्य किया है ।
पहले वो आपसे नाराज होगी लेकिन भविष्य में वह

(Note: Graded Items may be published in Schoolwki. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

आपको ~~शु~~ जरूर धन्यवाद दे दूगा।

नशा के उपयोग से हमें क्या होगा? जो नित्य नशा उपयोग करते है तो वह मृत्यु के रास्ते में ~~चल~~ खुत चलाते है। नशा के सेवन करने से हमको कुछ याद ही नही रहेगा। धीरे - धीरे से यह हमारे जिंदगी को खतरे में डालते है। अंत मे हम किसी अस्पताल में पहुँच जाता है। इससे हम एक कार्य को चिंता होना है कि हमारे इस ~~भु~~ बुरी कार्यक्रम के वजह से हमारी परिवार कितने रोती होगे। पत्र या टी.वी मे हम यह पढती है या सुनती है एसे व्यक्तियो पैसे के लिए अपने माँ को मारा या बहन को कुछ बुरी तरह की चीज किया। या यह इस्तमाल करने के बात धागाडी चलाने से दुर्घटने में निरियाद हुआ। यह सच है जो हर दिन होती है। इनके उपयोग से एच.आइ.वी वायरस से होनेवाले एइटस भी होती है। जब एक एच.आइ.वी पोसिटीव व्यक्ति उपयोग किया सिरिंज ~~जब~~ तब दूसरा व्यक्ति एसी ही उपयोग करती है तो एच.आइ.वी वायरस फैला जाता है।

(Note: Graded Items may be published in Schoolwki. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

यह रोग एक खतरनाक वायरस है। कुछ लोग यह सब जानकर भी इसका इस्तमाल करते हैं। आप लोग क्यों ऐसा करता है?

विदेश राज्यों में इसको घर के पास होते हुए दुकान में मिलती है। इन जगहों का लोगों छोटी उम्र में से इसका इस्तमाल करते हैं लेकिन इससे कुछ लोग ही बुरी मार्ग में जाते हैं। बहुत सारा लोग एक बार सेवन करने के बात यह छोड देता है।

केरलवासियों का एक प्रिय विनोद है सिनेमा देखने का। पर क्या यह सिनेमा ही केरलवासियों को बुराई का मार्ग को दिखाकर दे दिया। कुछ समज आया नहीं, है ना? जो सिनेमा २-३ साल से रिलीस हुई हैं इनमें ड्रग्स, नशा आदि पदार्थों का उपयोग का चित्रण दिया है। जो सिनेमा हम परीवार के साथ मुसकुराकर या दुःखित होकर देखती थी वह आज एक बड़ी बुराई का उदाहरण। इससे हमें पता चलते हैं हर ओर में नशा है।

(Note: Graded Items may be published in Schoolwki. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

पुलिस हर कोने में नशा के उपयोग करनेवालों को और इस चीज बेचने वालों को पकड़ने के लिए दिन-रात काम करते है। जो लोग इसको बेचते है वो लोग केवल 20-29 उम्र का युवकों है। यह बेचने से एक कार्य जरूर है कि वह अधिक पैसा कमाते हैं लेकिन पुलिस पकड़ लिया तो उसकी ज़िंदगी ही बर्बाद होगा।

ऐसे एक चीज मेरे गाँव के पास हुआ। एक व्यक्ति जो देखने में खुबसूरत था और उसके पास अधिकतम पैसा था। बाहर से देखते है तो वह एक अच्छा इंसान जिसको कोई बुरा स्वभाव नहीं है। लेकिन उसके शादी के दो महीने के बाद वह पुलिस थाना पहुँच गया। यह किसी तरह का माया नहीं है। वह यह बेचनेवाले एक व्यक्ति थे। इससे उसका जीवन भी गया और उसकी पत्नी की।

आज नशा को हम सोशियल मीडिया से ही खरीद सकते है। पहले सोशियल मीडिया बातचीत करना,

चित्र बेचना आदि के लिए उपयोग करते थे। लेकिन, देखो, हम क्या किया है। ड्रग्स के बात सुनकर लोगों को केवल गंजा का नाम याद आती है। लेकिन आज विविध रूप और शैली में ड्रग्स आती है। जानकारी के लिए इनमें से कुछ ड्रग्स का नाम मैं यहाँ बताना चाहता हैं। एम.डी.एम.ए, मारिजुआना हाशिश आदि। यह केवल जानकारी के लिए है।

केरल सरकार ने दिन-रात परिश्रम करते हैं। वह हमें जानकारी देती हैं। स्कूल, कालेजों में जानकारी देती है। केरल सरकार के परिश्रम का एक अच्छा फल है विमुक्ति। जो केरल सरकार एवं एक्साइस के द्वारा शुरू किया है। विमुक्ति से स्कूलों में कई प्रकारों का खेलों भी शुरू किया है जिससे हम लोग नशा ही नशा से ज़िंदगी ही नशा में बदलने लगे। रिहाबिलिटेशन जगहों के मदद से अनेक लोगों को जो, जिनको सब कुछ नष्ट हुआ, अपने जीवन में एक बार अच्छी तरह जीने का मौका मिला। देश के विविध स्थानों स्थानों में हम

ऐसा कर्द्रों को मिल सकता है। सरकार नशा के उपयोग कम करने का कोशिश करते जा रही है। जो लोग यह बुराई से भलाई में आ गया। उनको ज़िंदगी का महत्व जरूर पता होगा।

दो तरह की नशा होती है पोसिटीव नशा और नेगटीव नशा। नेगटीव नशा में सब पड़ते हैं कि, ऐम डीऐम ए, गंजा आदि। यह बुराई का प्रतीक है। जो मानव जनता को मृत्यु में डालते हैं। पोसिटीव नशा से हम जीवन आगे बढाने है। पोसिटीव नशा का उदाहरण ही सब को पता होती है। पुस्तक पढ़ना, खेलकूद में फस जाना यह सब पोसिटीव नशा है। पोसिटीव नशा के भलाई का प्रतीक। ज़िंदगी ही हमारी नशा। ज़िंदगी ही हमारी नशा होनी चाहिए। यह याद करके हम हमारे जीवन जीना है। सब कहते है कि जीवन छोटी है, लेकिन जीवन लंबी है, तो उसे जीयो। लेकिन याद रखना नेगटीव नशा के ओर से नहीं बल्कि पोसिटीव नशा के ओर से। ज़िंदगी ही नशा है।

(Note: Graded Items may be published in Schoolwki. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)